(राजभाषा विभाग द्वारा प्रस्तुत)

मार्च 2011

आवाज़.t

पृष्ठ 2
एक दुःखद हादसाः पड़ताल

पृष्ठ 5
खड़गपुर में तकनीकी प्रवर्त्तन

RURAL TECHNOLOGY INITIATIVE

पृष्ठ 7
TEDxIITKgp
TEDx IITKGP: विचारों को पंख देने की अनोखी कोशिश

पृष्ठ 1 और 6
प्रपोज़ल अपडेट

चुनाव के माहौल मे बीते वर्ष के VP और G.Secs के कार्यकाल पर एक नज़र

सेलेस्टीन जोसेफ (Vice President)

आवाज़- पिछले वर्ष आपने मेस कर्मचारियों को उचित प्रशिक्षण प्रदान करने की बात रखी थी, उसके क्या लाभकारी परिणाम रहे और इसके अलावा मेस की प्रगति के लिए कौन सी नई योजनाएँ बनाई गई हैं?

वीपी- सभी हॉलों में मेस की व्यवस्था में सुधार लाने हेतु Food monitoring committee का गठन हुआ है। मेस मे दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का नियमित निरीक्षण, कर्मचारियों का प्रशिक्षण इत्यादि इसके मुख्य कार्यक्षेत्र होंगे। हर वर्ष न्यूनतम एक मेस का निजीकरण करने का भी प्रस्ताव है परन्तु यह संख्या एक ही रहेगी या इससे ज़्यादा, इस बात पर विचार किया जा रहा है।

आवाज़- "छात्र इन्टर्नशिप कमिटी" बनाने का जो आपका प्रस्ताव था, उसमे बात कहाँ तक आगे बढ़ पाई है?

वीपी- जहाँ तक "छात्र इन्टर्नशिप कमिटी" बनाने की बात है, इस पर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है क्योंकि ऐसे कायो में और भी कई पहलुओं को ध्यान में रखना पड़ता है। हाँ, परंतु इस वर्ष TnP द्वारा बुलाई गई कम्पनियों के माध्यम से छात्रों को इन्टर्नशिप के रूप में अत्यधिक लाभ पहुँचा है।

आवाज़- कैम्पस की बाहरी सुरक्षा बढ़ाने के लिए कौन से ठोस कदम उठाए गए हैं ?

वीपी- खड़गपुर पुलिस स्टेशन के थानेदार से बात कर ली गई है। उन्होंने प्रतिदिन शाम को नियमित रूप से रतवाही (patrolling) करने का पूरा आश्वासन दिया है।

आवाज़- इलेक्ट्रॉनिक नोटिस बोर्ड को स्थापित करना भी आपके पिछले वर्ष के दिए गए प्रस्ताव का एक मुख्य बिन्दु था, परंतु अभी तक कहीं पर भी इलेक्ट्रॉनिक नोटिस बोर्ड नहीं लगे हैं। इसके पीछे क्या कारण हैं?

वीपी- नवम्बर में मैंने इस बात का सर्वेक्षण किया कि जिमखाना से सम्बन्धित सूचनाओं को छात्रों तक पहुँचाने का सबसे अच्छा साधन क्या है, तो छात्रों का सुझाव आया कि इलेक्ट्रॉनिक नोटिस बोर्ड जानकारी प्रदान करने का उतना प्रभावी साधन नहीं है जबकि इसके बदले छात्रों ने ई-मेल को बेहतर विकल्प बताया। इसलिए ऐसी ईमेल व्यवस्था को विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है जिससे सभी छात्रों तक जिमखाना-सम्बन्धी सूचना पहुँच सके और जिमखाना वेबसाइट भी बनकर तैयार हो गई है जो कि उचित एवं सुचारू रूप से चल रही है।

आवाज़- इन्टर आई आई टी इस वर्ष हमारे यहाँ होना सुनिश्चित हुआ है, इस दिशा में क्या नई तैयारियाँ की जा रहीं हैं?

वीपी- सर्वप्रथम तो आधारभूत संरचना सम्बन्धी विकास (infrastructural development) कार्य काफी तीव्रता से चल रहा है। नया जिमखाना भी इन्टर आईआई टी होने तक बनकर तैयार हो जाएगा और जल्द ही खेल मैदानों का नवीनीकरण भी शुरू कर दिया जाएगा। इस दिशा में हाल ही में सिविल कार्य विभाग और निर्देशक से मेरी मीटिंग भी हुई थी।

देवेश कुमार ध्रुव (G. Sec. Sports and Games)

आवाज़- अच्छे खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने हेतु वित्तपोषण एवं पुरस्कार प्रस्तुति का प्रस्ताव रखा गया था। इस संदर्भ में हुए कार्य पर प्रकाश डालें।

देवेश- इस प्रपोज़ल में हमने आई आई टी के कुछ एलमनाई से बातचीत की थी पर कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया था। फिलहाल इस पर ज़्यादा काम नहीं हो रहा है।

आवाज़- सत्र की शुरूआत में इन्टर आई आई टी तथा शौर्य के लिए कप्तान, उप-कप्तान का चयन और उनके जनरल सेक्रेटरी, जिमखाना प्रेसिडेन्ट एवं फिजिकल ट्रेनर के साथ नियमित बैठक का प्रस्ताव रखा गया था जिससे इन्टर आई आई टी की अच्छी तैयारी हो। साथ ही साथ यह भी प्रस्तावित किया गया कि इन्टर आई आई टी खिलाड़ियों को जिम की सुविधा दी जाएगी जिससे ऑफ सीज़न/ बारिश के मौसम में खिलाड़ी फिट रहें।

देवेश- हाँ ,सत्र की शुरूआत में ही आई आई टी तथा शौर्य के लिए कप्तान, उप-कप्तान का चयन हो गया था और हमारी नियमानुसार मीटिंग भी होती थी। जहाँ तक जिम में स्लॉट देने की बात है, तो खिलाड़ियों को स्लॉट दिया गया था और बारिश के समय खिलाड़ी जिम जाते थे। पर चूँकि जिम में शाम के समय भीड़ ज़्यादा रहती है इसलिए खिलाड़ियों को सुबह के स्लॉट दिए गए थे जिसके कारण कम खिलाड़ी ही सुबह आ पाते थे।

आवाज़- आपका तीसरा प्रस्ताव आई आई टी खड़गपुर की इन्टर कॉलेज खेल टूर्नामेन्ट में भागीदारी को बढ़ावा देने का था। इसके लिए क्या कदम उठाए गए?

देवेश- इसमें हमने कई कॉलेजों से बात की और इसमें यथेष्ट काम हुआ। हमारी वॉलीबॉल टीम और बैडमिन्टन टीम जमशेदपुर में खेलने गई थी जबकि क्रिकेट टीम वर्धमान गयी। हॉकी के लिए हावड़ा की लोकल टीम खड़गपुर खेलने आई थी। अकादमिक समयावली अलग अलग होने के कारण थोड़ी कठिनाई होती है पर इसमें अच्छा काम हुआ।

GC मीटर

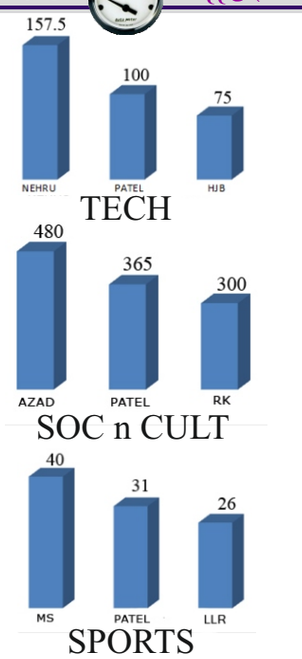

* 3 मार्च तक

पंजी Dude

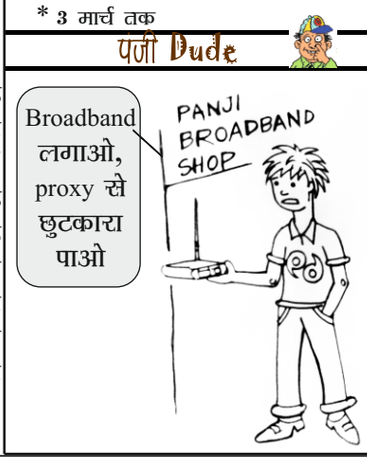

North Indian, Chinese, Tandoor

HOT BITE

A multi-cuisine restaurant

(Near Tikka)

ZERO DELIVERY CHARGE for a bill of ₹1000 or more in a month

Contact nos. : 9732968843 / 9932782683

एक दुःखद हादसाः पड़ताल

30 जनवरी की शाम, वक्त करीब 9:30 का था, जब हमें यह दुःखद समाचार मिला कि पुरी गेट पर एक द्रुतगति से चलती ट्रेन के चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जिसकी शिनाख्त, पटना निवासी और श्री शंकराचार्य इंजिनियरिंग एवं तकनीकि संस्थान, के छात्र अभिषेक रंजन के रूप में हुई जो कि, क्षितिज में भाग लेने संस्थान में आये थे।

मौका-ए-वारदात पर, साईकिल के परखच्चे उड़े टुकड़े और अभिषेक रंजन का चालक लाइसेंस बरामद हुआ, जिससे उनकी शिनाख्त की जा सकी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अभिषेक फाटक बंद होने के बावजूद रेलवे क्रासिंग पार कर रहे थे और अपने कानों में हेडफोन लगाये हुये थे, जिससे स्पष्ट पता चलता है कि, नियमों का पालन ना करना अत्यंत ही घातक हो सकता है।

पर यह घटना हमें यह सोचने पर विवश करती है कि, क्या इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिये सभी जरूरी प्रयत्न क्या इमानदारी पूर्वक गये हैं? जब आप आँकड़ों पर नज़र डालेंगे तो पायेंगे कि कम से कम 28 ट्रेनें (सौजन्यः इंडियनरेल इंफो) ऐसी हैं, जो सिर्फ दूसरे फाटक से हर दिन गुजरती हैं। तो इस बात का अंदाजा लगाना मुश्किल नही है कि फाटक पर लोगों को कितना अधिक इंतजार करना पड़ता है। ये बात सच है कि इंसान की जान सर्वोपरी है और उसे अपनी सुरक्षा के लिये बनाये गये नियमों का पालन करना चाहिये, पर कुछ लोग इतने लंबे इंतज़ार से तंग आकर बंद फाटक पार करने का दुस्साहस करते हैं तो, बहुत बड़े अचंभे की बात नही है।

इससे फिर यह स्वाभाविक सा प्रश्न उठता है कि, जिस फ्लाईओवर को अब तक बन जाना चाहिये था वो अब तक अधर में क्यों लटका हुआ है। 'हिजली रोड ओवरब्रिज़' जिसके निर्माण की आधिकारिक अनुमति 5 फरवरी 2009 को दे दी गई थी और 8 महीने का वक्त निर्माण के लिये निर्धारित किया गया था, वो अब तक नही बना, जो कि इस बात का द्योतक है की प्रशासनिक स्तर पर कितनी लापरवाही बरती गई है। हालिया ख़बरों के मुताबिक अब इसकी सबसे निकटतम समापन तिथि जून 2011 की लक्षित है, परंतु जिस गति से काम चल रहा है, उससे यह लक्ष्य भी अधूरा रह जायेगा, ऐसा प्रतीत होता है।

ऐसे में प्रशासन की तरफ से समुचित दवाब ठेकेदारों पर ना बना पाना भी दृष्टिगत हो रहा है। भगवान ना करे ऐसा फिर हो, पर आगे होने वाली दुर्घटनाओं पर लगाम लग सकें इसके लिये जल्द ही कदम उठाने की सख़्त जरूरत है।

घटनास्थल पर मौजूद होने के कारण जो बातें अब तक मन में चुभ रही है, वो है, मौके पर मौजूद अधिकारियों का व्यवहार। मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाये तो, इस बात को देख कर घृणा होती है कि, जब मृतक का शरीर पटरियों पर क्षत-विक्षत अवस्था में पड़ा हुआ है, परंतु पुलिस कर्मी, सिगरेट की कसें ले कर आपस में ठहाके लगा रहे हैं। तब मन में यह विचार उठना लाजमी ही है कि, एक इस दुर्घटना में सिर्फ अभिषेक रंजन ही मृत नही हुआ बल्कि उसके साथ-साथ कई और लोगों की मानवता की मृत्यु की मृत्यु पुनः एक बार दृष्टिगोचर हो गई। और जिसमें मानवता का अंश नही वो मानव कैसा? निश्चित ही मृतक है, इसमें कोई दो मत नही।

वहाँ से गुजरते लोग भी महज़ इसे एक समाचार समझ जानकारी ले कर गुजर रहे थे, शायद उन्हें अपने लिये एक चर्चा का मुद्दा मिल गया। अगर ये सब होने के बाद इस समाज में प्रशासन और नागरिकों के प्रति नकारात्मक रवैया उत्पन्न हो जाये तो कोई अचरज़ की बात नही।

-उपरोक्त तर्कों से पर हमें ये नही भूल जाना चाहिये कि हमारी स्वः की कोई जिम्मेदारी ही नही है, कम से कम हम अपनी तरफ से इस बात का पूरा ध्यान रखें कि अपनी एक छोटी सी लापरवाही में हमारी जान ना चली जाये। हमारी सावधानी और असावधानी के बीच हमारे स्वजनों, आत्मीयजनों के खुशी, नाखुशी, उनकी आशायें, निराशायें डोलती रहती है, सो कम से कम हम इस बात का ध्यान रखें कि, हमसे ऐसी कोई लापरवाही ना हो जो हमारे साथ इन जिंदगियों को नर्क में ढकेल दें।

अभिषेक रंजन की आत्मा को शांति मिले और उन्हें अपने और हर पाठक की तरफ़ से श्रद्धाँजली अपित करते हुये एवं इस दुर्घटना से यथोचित पाठ को आत्मसात करने का संकल्प लते हुये अपने लेख को समाप्त करता हूँ।

संस्थान ने दिया खान -पान पर ध्यान
'CE & LC Food Monitoring Committee' बनायी गयी

इस नवीन प्रयास पर के जी पी जनता को सुखद आश्चर्य हुआ कि देर से ही सही पर संस्था ने खान पान की जरूरतों और समस्यायों पर एक संवैधानिक पहल की है। छुट्टियों और वीकेंड पर दोस्तों के साथ बाहर निकलने पर कैम्पस में गिने चुने रेस्टोरेन्ट्स में भारी भीड़ और दाम देखकर मन 'peace' मारने का संदेश देता है परंतु इस कमेटी के निर्माण के साथ ही एक आशा की किरण जगी है। कमेटी गठन के ध्येय व कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए कमेटी के सदस्य व समन्वयक (Co ordinator) दिलीप मीणा ने हमें महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। ये कमेटी 9 गणमान्य जनों को लेकर बनायी गयी है जिसमें प्रो पी बी भदोरिया (A & FE) चैयरमैन पद पर मनोनित हुए हैं। कमेटी के 3 सदस्य विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व करेंगे जिससे जनता की मांगे संस्था के समक्ष प्रभावी रूप से रखी जा सकेंगी। इस कमेटी के उद्देश्य व प्राथमिकताएँ निम्न हैं ः

परिसर में बिकने वाले खाद्य पदार्थों का उचित मूल्य निर्धारण

- शुद्ध और उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों का वितरण
- पैन्ट्री के अन्दर साफ सफाई सुनिश्चित करना
- डाइनिंग क्षेत्र का रख रखाव व सफाई सुनिश्चित करना
- इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की गुणवत्ता का निरीक्षण और निगरानी
- उपभोक्ताओं (मुख्यतः विद्यार्थीयों) की शिकायतों और सलाहों का निस्तारण
- दुकानों में बेची जा रही वस्तुओं के स्वाद ,गुण व आस पास की स्वच्छता के आधार पर श्रेणीकरण
- परिसर में बढ़ते हुए स्टूडेन्ट्स की तादाद व मांग को देखते हुए देश के चर्चित व अच्छे फूड चेन व रेस्टोरेन्ट्स को कैम्पस में लाना
- दिलीप मीणा की पहर्ल से लगभग 10 रोटी मशीनों की माँग की गयी थी और अब तक 3 हाल (आर. के., आर. पी., और mmm) में रोटी मशीन लग चुकी है।

Aaditya Infotech

Puri Gate, IIT Kharagpur

Buy laptop from Aaditya Infotech and get all the accessories free along with a special gift!

DELL hp SONY

CONTACT: Mob: 933256982/9734425456 (Aditya)
Ph: 03222 - 326859 (Office)

Guaranteed laptop repairing with one year warranty(By certified engineers)

फंडे! दे घुमा के

शुरूआत एक किस्से से। एक मानव प्रतीत होने वाले 80 किलो के जीव अपनी निरोइ साइकिल पर जा रहे थे (जैसे लालू जी को चुनौती दे रहे हो कि तुमने तो साइकिल पर सिर्फ भैसों को सवारी कराई थी !!)। अचानक उन्हें न्यूटन पर तरस आया और ग्रैविटी की ताज रखते हुए गिर पड़े। वैसे मामला गिर पड़ने का नहीं है। किसी का गिर जाना आजकल वैसे भी बड़ी बात नहीं रही। पास में एक शुद्ध बंगाली समाजवादी चिंतक रिक्शेवाला खड़ा था। उसने इस दुर्घटना पर भारतीय रिपोर्टरों की तर्ज पर बिना उस तथाकथित मनुष्य को उठाये आख्यान देना शुरू कर दिया। अपने आख्यान में उसने स्टाईलिश साईकिलों के तमाम खतरों को उजागर कर दिया।

मार्क्स ने भूल से पूंजिपत्तियों की लिस्ट में स्टाईलिश साईकिल चलाने वालों को शामिल नहीं किया था। यह भी लगा कि इन साईकिलों पर भी सिगरेट के पैकेटों की तरह कैंसर होने की वार्निंग दे देनी चाहिए।

खेर मैं तो उस बुद्धिजीवी रिक्शाचालक से बच कर निकल गया पर बीते साल इन बुद्धिजीवीयों का प्रकोप हर जगह छाया रहा। हर तथाकथित विचारक अपने को कृष्ण समझता रहा और बातें द्रौपदी की साड़ी की तरह लंबी होती गई। इन बुद्धिजीवीयों को मीडिया से इतना ही प्यार है जितना सिब्बल साहब को आई आई टी से है। टी.वी. पर सास बहू के रोने-धोने से जो समय बचता है उसमें ये लोग रूलाते हैं और फिर मीडीया को कोसने बैठ जाते हैं।

हाथी@iitkgp.ac.in

तो महाशय हुआ यूँ कि मैं एक हाथ में बाल्टी लिए और कंधे पर कपड़े लटकाए तौलिया रूपी स्कर्ट धारण कर आ रहा था। तभी मेरा एक अति उत्साहित विंगवासी चिल्लता हुआ आया "कैंपस में हाथी! कैंपस में हाथी!"। इतना सुनना था और मैं दौड़ कर कमरे में जा घुसा और जल्दी-जल्दी कपड़े पहनने लगा। आखिर मैं अपनी 7 साल पुरानी एकतरफी प्रेमिका को मुझसे इस हालत में नहीं देखने दे सकता था।

हैरान मत होइए, दरसल मेरे स्कूल में प्रतिम हाथी और विद्या हाथी नामक दो भाई-बहन पढ़ते थे। बहन जितनी सुंदर व समझदार थी, भाई उतना ही बिगड़ैल तथा उचक्का प्रवृत्ति का था। मेरी बुरी किस्मत कि उसकी बहन की तरफ मेरे आकर्षण की उसे खबर भी थी व आपत्ति भी। आज शायद वह अपने चिरकुट भाई के बिना मुझसे एकांत में मिलने आई थी। इसी आशा में हम एक धोई हुई टीशर्ट और अपने रूमी का इत्र लगाकर बाहर निकले। पर अफसोस! बाहर अपने विंगियों की भाट सुन पता चला कि यह हाथी एक अजीब नाम वाली सुंदर नारी नहीं अपितु असली के गजराज हैं, वो भी नर हाथी। हथिनी नहीं।

'हाथी' के साथ मेरे प्रेम प्रसंग के उजागर होने पर मेरा जमकर मज़ाक उड़ाया गया। फंडे बाबा तो इस विषय में सीरियस हो गए। पास आकर बड़ी गंभीर वाणी में कहने लगे "देखो भाई, मैं तुम्हारे फुस्तापे से अच्छी तरह से वाकिफ हूँ, पर ज़रा अपने घरवालों और समाज का भी ख्याल करो,

अंतरजातीय प्रेम भी कोई जगह नहीं आज

नहीं हैं ज़माने के विचार इतने स्वच्छंद

फिर समाज कैसे स्वीकारेगा ये

समलैंगिक अंतरप्रजातिय प्रेम संबंध ?"

मेरे अत्यंत खुले विचारों वाले विंगीस ने तो मेरी और हाथी की काल्पनिक शादी भी करवा दी, और मेरी डेढ़पसली काया और हाथी के विराट शरीर में अंतर के कारण हमारे वैवाहिक जीवन में होने वाली कई संभावित मुश्किलों पर ढ़ेरों हाथी चीटी चुटकुले भी सुनाए गए।

विंग में चंद घंटों तक व फेसबुक पर पूरे एक दिन चली भाट से मैंने इस हाथी विशेष के बारे में कुछ निष्कर्ष निकाले

1. यह हाथी एक भटका था क्योंकि वह आई.आई.टी. के अंदर 'GATE' कैक करके आया था।

2. ये बड़ा ही मेहनती व मग्गू किस्म का हाथी था चूँकि इसने माइनिंग डिपार्टमेंट से प्रवेश किया और कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट में पहुँच गया। दूसरे शब्दों में डेप्सी मार लिया। यो हाथी!

3. हाथी या तो बड़ा वेटकान्सियस था या फिर बड़ा ही भुख्खड़। क्योंकि टाटा स्पोर्टस कॉम्पलेक्स की दीवार तोड़ने के दो ही मकसद हो सकते हैं फुटबॉल खेलकर अपना वजन घटाना या वहाँ लगी हरीभरी घास की दावत उड़ाना।

4. वन विभाग के दावे के विरूद्ध मेरा मानना है कि हाथी पहले से पागल नहीं था आई.आई.टी. आकर पागल हो गया।

खैर, हाथी के लिए उसके सपनों की वैलेंटाइन शायद यहाँ नाथी, तो वो फुस्त हो प्रेम बाज़ार गेट के पास लेट गया और आखिर में चला ही गया। पर हमें पूरा भरोसा है कि इस अर्धजंगल स्थान में ऐसे और भी बकरवर्धक तथा जीवन में कुछ रोमांच लाने वाले जानवर आतेजाते रहेंगे।

प्रेम भाट

प्रेम विषय तो बडा कठिन है पर जब बडी सरलता से ये ढाई अक्षर का शब्द ढाई सौ ग्राम के दिल पर वार करता है तो ढाई किलो का दिमाग रखने वाले ढाई क्विंटल के मनुष्य की भी बुनियाद हिला कर रख देता हैं।

कहते हैं प्रेम दर्शन का विषय है। मैं भी काफी हद तक इससे सहमत था पर KGP आने के बाद मैं खुद की सहमति से असहमत हो गया। क्योंकि लाख तलाशने पर भी, मुझे यहाँ प्रेम तो मिल गया पर दर्शन नही हुए। खैर जैसे-तैसे दिन कट ही रहे थे कि SF के भूत ने अंदर कदम रखा। कहने को तो ये "HORROR EDITION" था पर बसंत का नाम लेकर जो बहार इसने लाई थी वो HORRIBLE नही थी। वही सब जो कल तक अदृश्य थे आज दर्शनीय हो गए थे। फिर क्या था,जनता भी प्रेम भूलकर दर्शन मे ही लग गई। और-तो-और, जो पंछी कल तक "पिया मिलन TREE" के नीचे गुटरगूँ करते थे वो भी अब INSTI और VIKRAMSHILA मे दाने चुग रहे थे। सभी के मन मे बस एक ही ख्याल था "मुझे तो 'Imported' ही चाहिए!" पर बंधुओ पड़ोसी की गाय को घास डालने से क्या फायदा जब शाम को दूध अपनी ही चौखट पर निकालना है।

खेर चार दिनो की चाँदनी थी, आई और चली गई। लोग भी दर्शन छोड प्रेम तलाशने मे जुट गए। आप सोच रहे होंगे कि मैं बार-बार "प्रेम की तलाश" पर क्यूँ आ जाता हूँ। गर अब भी नही चमक रहा, तो मेरे so called IITian भाइयो... यहाँ आने से पहले मै भी इसी खुमारी मे जीता था कि "जिस भी कन्या पर हाथ रख दोगे तुम्हारी हो जाएगी",आकर पता चला कि हाथ ही नही रख सकते। इससे पहले कि आपका wingie बड़े टशन मे आकर आपसे 14 फरवरी की सुबह पूछे,..." मेरे पास शीला है, मुन्नी है, रोमा है, सीता है, गीता है... तुम्हारे पास क्या है?" मैं तो यही कहूँगा,"जागो ग्राहक-जागो"।

और वैसे भी खुद को यंगिस्तान के सबसे चमकते सितारे कहने वालों को भले ही चार वेदों के नाम ना याद हों, "valentine पुराण" पूरी याद है। और हो भी क्यूँ ना? जिस "बजरंग दल" ने कैंपस में "anti बंदी" आंदोलन शुरू किया था आज खुद उनका status "...despo..." है। फिर आम जनता तो आम है ही, उन्हें खास होने मे कौन सी दिलचस्पी है।

अगर अब भी आपके दिमाग की बत्ती नहीं जली तो माफ करिएगा, क्योंकि "बत्तियों" की कभी जलती भी नही है।

SUBHAM EXPRESS
(Near RLB Hall of Residence)
Services available: Air ticket, Passport, Visa, Travel insurance, Cab Booking
Ph: 03222-651603 (O)
9475432745
9932644535

हम अपने पाठकों के समक्ष इस सेमेस्टर का द्वितीय अंक प्रस्तुत कर रहे हैं। पिछले अंक से मिली सराहनीय एवं उत्साहपूर्ण प्रतिक्रियाओं के लिए हम अपने पाठकों के आभारी हैं जिन्होंने लगातार हमें समर्थन दिया है। हमारी सदैव कोशिश रहेगी कि हम आपकी आशाओं पर खरे उतरें।

सर्वप्रथम हम देश में हाल ही में हुए घोटालों के परिणामों की बात करना चाहेंगे। कॉमनवेल्थ खेलों में हुए घोटाले के मामले में कोर्ट ने कलमाडी सहित सभी गिरफ्तार लोगों को रिहा कर दिया। इसका कारण यह रहा कि हमारे देश की सीबीआई कलमाडी और उनके सहकर्मियों के खिलाफ सबूत और आरोप पत्र तय समय सीमा में नहीं जमा कर पाई। गौरतलब है कि घोटालों के हल के मामले में सीबीआई की कार्यक्षमता पर सदैव प्रश्न उठते रहे हैं। सोचने वाली बात यह है कि कॉमनवेल्थ घोटाले जैसे मामले में, जिसमें सबूत ढूँढने की ज़रूरत तक नहीं दिखती, ऐसे मामलों में भी देश के नेता इतनी आसानी से कानून के हाथ से कैसे निकल जाते हैं? 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले की बात की जाए तो, मुख्य आरोपी ए.राजा की गिरफ्तारी हो चुकी है। किन्तु क्या एराजा भी कलमाडी की तरह जल्द ही बाहर आने वाले हैं। क्या 2जी वितरण से गलत फ़ायदा उठाने वाली कम्पनियों के खिलाफ कोई भी कार्यवाही नहीं की जाएगी? ऐसे कई सवाल हैं जो वर्तमान सरकार पर सीधा वार करते हैं। आखिर कब तक ऐसे लोग हमारे देश को चलाते रहेंगे?

अंतरराष्ट्रीय खबरों में, मिस्र में चल रहे राजनैतिक आंदोलन की खबरों से कोई अछूता नहीं रह गया है। राष्ट्रपति युबएक के 30 साल के तानाशाही शासन के बाद ऐसे आंदोलन की वास्तव में काफी जरूरत थी। लोगों के अथक प्रयास के बाद राष्ट्रपति ने अपना पद त्याग दिया है। दूसरी तरफ ट्राइवेली विश्वविद्यालय, अमेरिका के अवैध घोषित किए जाने के बाद वहाँ पढ़ रहे लगभग 150 छात्रों को अपराधियों की तरह देखा जा रहा था। इस मामले में विद्यार्थियों को न्याय दिलाने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं। एक और बड़े मुद्दे के तौर पर स्विस बैंको में जमा भारत का काला धन देश में वापस लाने की बात की जा रही है। जहाँ देश के सारे नेता स्विस बैंकों से धन को वापस लाने की बात करते हैं वहीं स्विट्ज़रलैंड के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें बैंक में खाता रखने वाले भारतीय नामों का खुलासा करने में कोई परेशानी नहीं है, पर भारत सरकार ही इस दिशा में कोई सराहनीय प्रयास नहीं कर रही।

विज्ञान एवं तकनीकि के क्षेत्र की बात करें तो GSLV F06 के असफल प्रक्षेपण के बाद भारत आने वाले 10 वर्षों में 30 नए उपग्रह प्रक्षेपित करने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। हम जहाँ सुरक्षा के मामले में मज़बूत होने की बात करते हैं, वहीं नेशनल इन्फोर्मेटिक्स सेंटर ने 280 अहम वेबसाइटों को असुरक्षित करार दिया है, जिन्हें बाहर के लोगों द्वारा हैक किया जा सकता है जिसमें भारतीय जल सेना, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, सीबीआई जैसी कई महत्त्वपूर्ण सरकारी वेबसाइटें शामिल हैं। हम यही कामना करते है कि इस वर्ष इस क्षेत्र में अहम उपलब्धियाँ मिलें।

कैम्पस की बात करें तो जनवरी का माह क्षितिज व स्प्रिंगफेस्ट के साथ अच्छा ही रहा। हमारे इस अंक में क्षितिज, प्लेसमेन्ट जानकारी आदि पर लेख प्रस्तुत किए गये हैं। इस माह में वैलेन्टाइन दिवस एवं मिडसेम की परीक्षाएँ थीं। आशा है दोनों आपके लिए अच्छे बीते। बस इन्हीं शब्दों के साथ हम विराम लेते हैं। अगले अंक में फिर से आपसे रूबरू होंगे।

संपादक,
आवाज़।

आवाज़ टीम

संपादकः
अमन कुमार, आशुतोष कुमार मिश्रा, सिद्धार्थ दोशी

सह संपादकः
मधुसूदन, अनुराग कटियार, कुणाल मिण्डा, निष्ठा शर्मा, प्रतिक भास्कर, सीमान्त उज्जैन, स्वाति दास

रिपोर्टरः
अनिमेष चौधरी, अमित कुमार डालमिया, रोहन भटोरे, वैभव श्रीवास्तव, सुगन्धा, सुशील राठी, विक्रम वोलेटि, चारू आत्रे, पुष्पम भारद्वाज, राजा पासवान

जूनियर रिपोर्टर
प्रशांत झा, संगम तीर्थराज, विकास केसरी, निकुंज शर्मा, विकास दुबे, गोपीनाथ सोरेन, हर्षी बंसल, अद्याशा महाराना, राजेश रंजन, नैन्सी, शबाहत शकील

पाठकों के विचार एवं सुझाव आमंत्रित हैं
editor.awaaz@gmail.com

काकोडकर कमिटी

ककोडकर कमिटी, जिसकी स्थापना मानव संसाधन एवं विकास मंत्री कपिल सिब्बल ने अक्टूबर 2009 में की थी, डॉ.अनिल काकोडकर की अध्यक्षता वाली इस पाँच सदस्यीय कमिटी के अन्य सदस्य मोहनदास पाय,के.मोहनदास,अशोक झुनझुनवाला एवं हरि भाटिया हैं। इसकी स्थापना आईआईटी में अगले दस वर्षों में शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता के मानक में सुधार के लिये दिशा निर्देश देने, आईआईटीयों को और अधिक शोध उन्मुख तथा वित्तीय व कार्यात्मक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से की गयी थी। अन्य कार्यों में आईआईटी में फैकल्टी की कमी का समाधान ढूँढना था।

आईआईटी काउंसिल ने काकोडकर कमिटी की सिफारिश जिसमें आईआईटी में स्नातक की फीस वर्तमान 50,000 से बढाकर 2,00,000 रूपये सालाना से भी ज़्यादा करने का प्रस्ताव था,को अस्वीकार कर दिया। आईआईटी काउंसिल ने कमिटी की सिफारिश को ख़ारिज करते हुए कहा कि ऐसे कदमों से छात्रों के आईआईटी में दाखिला लेने में बाधा उत्पन्न होगी। कमिटी का मानना था कि स्नातक की फीस में बढोत्तरी आईआईटी को अधिक आत्मनिर्भर बनायेगा तथा स्वायत्ता के लिये मार्ग प्रशस्त करेगा। उनका कहना था कि आईआईएम की तरह ही संस्थान अपने व्यय के लिये सरकार पर निर्भर नहीं रहेगा तथा अपने बूते पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षक पदों का सृजन कर सकेगा। जबकि स्नातकोत्तर की फीस को स्थायी रखने की बात कही गयी थी। इसके पीछे उनका यह तर्क था कि इससे अधिक छात्र स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से जुड़ेगें और उनमें से कुछ शिक्षण क्षेत्र में आना चाहेंगे जिससे आईआईटी में शिक्षकों की कमी खत्म होगी। कमिटी ने गरीब छात्रों के लिये आसान ऋण उपलब्ध कराने का सुझाव भी दिया था। काउंसिल ने काकोडकर कमिटी को फीस संरचना पर सभी वर्ग की आकांक्षाओं को ध्यान में रख कर कार्य करने को कहा। अन्य बातों में आईआईटी काउंसिल ने मॉरिशस में आईआईटी की मदद से एक तकनीकी संस्थान स्थापित करने के प्रस्ताव का समर्थन किया।

SRI BALAJI COMPUTERS
Puri Gate, near IIT Main Gate, Kharagpur Ph: 09732961398/09733536376

All kinds of electronic products like MP3 players, iPods, earphones, laptop keyboard guards, laptop screen guards, laptop cooling pads are available at the best prices!

20 years' experience in laptop service provided by company-trained engineers at reasonable prices.

विदेश मे बंद जनता का धन

हमारे माननीय राजनेतागण हमेशा से कहते आएँ है कि वे स्विस बैंक से पैसा लाने की पूरी कोशिश कर कहे हैं। पर स्विट्ज़रलैंड के अधिकारियों की बातों से कुछ और ही बातें सामने आ रही है। स्विट्ज़रलैंड की न्यायपालिका फेड़ ने कहा है कि हम 2007 से भारत से ज़रूरी दस्तावेज माँग रहे है जिसकी बिनाह पर भारत सरकार स्विस बैंक मे पैसा ज़मा करने वाले भारतीयों पर टैक्स चोरी का इल्ज़ाम लगा सके पर भारत सरकार ने अभी तक ज़रूरी दस्तावेज पेश नही किए हैं। यह बात उन्होने हसन अली केस के संदर्भ मे कही। गौरतलब है कि भारतीय आयकर विभाग ने हसन अली पर करीब 71,848 करोड़ की टैक्स चोरी का अनुमान लगाय है। वहाँ दूसरी ओर जर्मनी ने कहा है कि उसने भारत के 50 लोगो का नाम भारत सरकार को दिया है जिनके अवैध पैसे विदेशी बैंको मे है। पर भारत सरकार ने अभी तक उनके खिलाफ ना ही कोई कदम उठाया है ना ही उन 50 लोगों के नाम उजागर कर रही है। अब ऐसे मे यदि सरकार अपने आप को पारदर्शी कहती है तो हम तो बस यही कहेंगे की आपसे क्या कहें।

MISAL & SONS
opticians
deals in all kinds of imported and branded frames and lenses
at SATHI HEALTH CARE, DANDAPAT COMPLEX
03222-224104; 9800238717
(Beside Hotel Park)

एक पहलू ऐसा भी

किसी भी राज्य की समृद्धि वहाँ की कार्यकारी जनता पर निर्भर करती है। परंतु दक्षिण-कोरिया के लोग इतने अधिक कार्यविलीन हो गए हैं कि कोरियाई सरकार को विशेष कदम उठाने के लिए विवश होना पड़ा। जहाँ अधिकतर राष्ट्रों में लोगों को नौ से पाँच का समय भी कठिन प्रतीत होता है वहीं दक्षिण-कोरिया में आमतौर पर यह समय 10 घंटे का होता है, उसके बाद ओवरटाइम सो अलग।

दक्षिण कोरिया में अधिकांश कंपनियाँ ओवरटाइम करने के बावजूद वेतन में कोई वृद्धि नहीं करतीं। फिर भी आमतौर पर कर्म चारी कम से कम आधा या एक घंटा ओवरटाइम करने में विश्वास रखते हैं। कुछ को इस बात का भय होता है कि बॉस से पहले ऑफिस से निकलना उनकी पदोन्नति की संभावना को कम कर सकता है। वहीं कुछ लोग इसे राष्ट्र के प्रति अपना नैतिक कर्तव्य समझते हैं। कारण जो भी हो परंतु दक्षिण-कोरिया के लोग ऑर्गनाइज़ेशन फॉर एकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवेलपमेंट के अन्य सदस्यों से अधिक काम करते हैं फिर भी उत्पादन का स्तर अधिकांश सदस्य राष्ट्रों से कम है।

श्रम मंत्रालय का कहना है कि कार्य समय कम करने से उत्पादन तथा जीवनशैली दोनों में सुधार आएगा। किंतु अंतर्निहित मानसिकता को बदलने में समय तो लगता ही है। श्रम मंत्रालय ने इस मानसिकता को बदलने के लिए एक नीति की घोषणा की है जिसके अंतर्गत साप्ताहिक कार्य समय सीमा 40 घंटे तय की गई है।

श्रम उत्पादन आमतौर पर कार्य सीमा पर विपरीत रूप से निर्भर करता है। इसलिए कार्य सीमा घटने पर उत्पादन में बढ़ोत्तरी की संभावना मानी जा रही है। जानकारों का यह भी मानना है कि अर्थव्यवस्था सुधरने पर ये चलन स्वयं कम हो जाएगा।

खड़गपुर में तकनीकी प्रवर्त्तन

पिछले कुछ महीनों में अपनी इंस्टी में तकनीकी प्रवर्त्तन के विकास के लिए काफी नई चीज़े सामने आई हैं। "क्षितिज" के दौरान भी "KGP Innovations" नामक एक प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें आधुनिक तकनीकों पर होने वाले शोध को उजागर किया गया। उन्हीं में से कुछ को निम्न प्रस्तुत किया गया हैः

1. प्रसाधन उघोग के क्षेत्र मे एक नया कदम बढाते हुए वैज्ञानिकों ने बेकार पड़ी फसलों से सौंदर्य प्रसाधन बनाने की पहल की है। उनका मानना है कि गाँवों मे पेड़ पौधों की ऐसी कई प्रजातियाँ मौजूद हैं जो आसानी से उपजाने लायक हैं तथा प्रसाधन के क्षेत्र मे अत्यंत उपयोगी हैं। गौरतलब है कि इन सामग्रीयों को बनाने मे अल्कोहल, पानी तथा ग्लिसरीन जैसी आसानी से प्राप्त चीजें प्रयोग मे लायी जाती हैं। जिनसे लागत काफी कम आती है। अनुसंधान से ये भी पता चला है कि इस विधि से तैयार किये गए सामग्रीयों की औसत आयु भी सामान्य सौंदर्य प्रसाधनों से अधिक है।

2. पेय जल संकट आज विश्व भर मे एक समस्या बन गया है। भारतीय नजरिए से देखें तो हमारी 70 प्रतिशत आबादी गाँवों मे रहती है। यूँ तो शहर तथा गाँव दोनो जगह जल संकट समान रूप से है पर गाँवों मे व्यवस्थित जल आपूर्ति ना होने के कारण समस्या बढ़ जाती है। पराबैंगनी किरणों क्लोरीन रेत तथा पौधों की परजीवी मारक क्षमता का इस्तेमाल करने वाली ये मशीन आसानी से उपलब्ध होगी। बिना बिजली के चलने वाली ये मशीन सुदूर गाँवों तक पहुँचने की काबिलियत रखती है।

3. भारत की एक तिहाई आबादी के पास आज भी पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएँ मौजूद नही हैं। और उनमे भी हृदय रोगियों की समस्या और भी विकट है। ऐसे मे हृदय तरंगों को मापने वाली एक डिजिटल स्टेथोस्कोप इजाद करना वास्तव मे एक बड़ा कदम है। जानकारियों के अनुसार ये सामान्य स्टेथोस्कोप के मुकाबले हृदय तरंगों को सुरक्षित रख सकती है तथा जरूरत पड़ने पर उसे स्मरण कर तुरंत मुहैया कराने मे भी सक्षम है। इसमे एक सिम कार्ड भी है जो नजदीकी केंद्र को कर सकता सारीयों को आवाज के सुरक्षित चिकित्सा सूचित भी है। ये जानकारि अतिरिक्त बाहर रखता है जिससे मरीजों की सही स्थिति का पता लगता है। इस तकनीक के आने से लोग आपनी हृदय तरंगों को चिकित्सकों तक भेज सकते हैं। इस डिजिटल स्टेथोस्कोप की अनुमानित राशि 1850 रू. मानी जा रही है।

RURAL TECHNOLOGY INITIATIVE

ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित तकनीकी आविष्कारों को उजागर करने हेतु गत मास ईसेल, आई.आई.टी. खड़गपुर द्वारा एक प्रदर्शनी आयोजित की गई जिसमें देशभर से ग्रामीण स्तर पर होने वाले छह: आधुनिक अविष्कारों को दर्शाया गया। उनमें से सबसे बहतरीन तीन तकनीकियों को हम विस्तृत रूप में आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहें हैं

1.इंटरनेशनल डेवलपमेंट इंटरप्राइसिस इंडिया (IDEI) ने "जलचालित पंप" के प्रतिरूप प्रदर्शित किया। कृषि क्षेत्र पर केंद्रित इस तकनीक को छोटी भूमि धारक किसानों के लिए अपनाया गया है। प्रति घंटा 4000 4500 लिटर पानी निकालने के अलावा यह उपयोगकर्ता के लिए पूर्ण रूप से अनुकूल है।

2.वीरेंद्र कुमार महतो, बिहार के जानेमाने सामाजिक उद्यमी, ने गैरलौह पदार्थों से चुंबकीय रोटेशन की तकनीक को प्रस्तुत किया। यह मशीन 150 से 7000 वॉट बिजलीउत्पादन की क्षमता रखती है। इस तकनीक से वर्तमान पीढ़ी की विद्युत समस्याओं को सफलतापूर्वक हल किये जाने की आशा की जा रही है।

3.एक और ग्रामीण प्रर्वतक, अर्जुन पंडित, ने नवीनतम "वाहन सुरक्षा प्रणाली" का जीवंत प्रतिमान पेश किया। उनके "Theif Call" नामक यंत्र से किसी भी प्रकार के वाहन को उच्च श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जा सकती है। इस यंत्र को मोबाइल से संचालित किया जा सकता है और यही बात इसे बाज़ार में उपलब्ध किसी और उत्पाद से अनूठा बनाती है।

यह प्रदर्शनी सिर्फ प्रोत्साहन की प्रतीक नहीं थी बल्कि हम सभी केजीपी निवासी छात्रों के मानस पटल पर एक प्रश्नचिन्ह छोड़ गयी कि अगर भारत के सुविधा रहित ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी उपलब्धियाँ हो सकती हैं तो हम इतनी अधिक अत्याधुनिक सुविधाओं के बावजूद पीछे तो नहीं छूट गए हैं?

9332065817
ALICE OPTICIANS
Computerized Eye testing and Contact Lens Clinic
All types of Contact Lenses available
Timing – 9 am to 9pm
Thursday closed
181, Gole Bazar, Kharagpur – 721301

तरूण राठी (G. Sec. Technology)

(पृष्ठ 1 का शेष)

आवाज़- आपने अपने प्रस्ताव में प्रथम वर्षीय छात्रों के लिए जनरल एलगोरिदम एवं जावा कोडिंग पर वर्कशॉप आयाजित करने की बात कही थी। क्या ऐसी कोई वर्कशॉप हुई?

तरूण- हाँ, गत वर्ष अप्रैल के अंत में दो वर्कशॉप KGP(Kharagpur Group of Programmers) के साथ मिलकर आयोजित की गयी थी। इसमें प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हिस्सा लिया था।

आवाज़- आपने टेक्नोलॉजी जेनरल चैपियनशिप के हार्डवेयर एक्ज़िबिशन को IMechE से मान्यता दिलाने की बात कही थी। इस पर क्या काम हुआ?

तरूण- यह इवेंट अप्रैल में होने वाला है। मैं इस बारे में प्रो. साहा के संपर्क में हूँ तथा इसके लिये प्रयासरत हूँ।

आवाज़- "युवा" के लिये बधाई। आपने अपने प्रपोज़ल में क्लाईमेट चेंज पर एक यूथ सम्मिट आयोजित करने की बात कही थी जो कि इस वर्ष "युवा" के रूप में आयोजित हुई। तो क्या आपके अनुरूप "युवा" अपने उद्देश्य में सफल हुआ? इसकी क्या उपलिब्धयाँ रही?

तरूण- जी हाँ, "युवा" बिल्कुल सफल रहा। मूलतः "युवा" एक प्लेटफार्म है जहाँ छात्र क्लाइमेट चेंज जैसे संवेदनशील मुद्दों पर कुछ कर सकते हैं। इसमें प्रतिभागियों की भागीदारी काफी अच्छी रही तथा लोग प्रशंसनीय समाधान के साथ आये। कुल बारह टीमें फाइनल राउंड के लिये आयी जिसमें से आईआईटी मुम्बई , आईआईटी कानपुर तथा आईटी बीएचयू से भी प्रतिभागी थे। इनमें से कुछ समाधान IYCN द्वारा वास्तविक उपयोग के लिए लिये गये। इनके पैनलिस्ट भी IYCN तथा ग्रीन एड से थे।

आवाज़- इस बार क्षितिज में प्रतिभागियों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में कम क्यों थी तथा कुल कितने प्रतिभागी थे?

तरूण- हम गुणवत्ता की भागीदारी में विश्वास करते है। इस बार यहाँ होने वाले तथा ऑनलाइन इवेंट को मिला कर लगभग 50,000 प्रतिभागियों ने क्षितिज में हिस्सा लिया जिसमें आईआईटी खड़गपुर से 3,500 छात्र थे।

आवाज़- आईआईटी खड़गपुर के छात्रों का प्रदर्शन क्षितिज में कैसा रहा?

तरूण- इस बार यहाँ के छात्रों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। युवा, माई इनोवेशन, स्टेबेलिटक्स तथा आईबीएम टेक्निकल कॉन्टेस्ट में फाईनलिस्ट आईआईटी खड़गपुर से थे। बी प्लान के विजेता यहीं से रहे।

आवाज़- इस बार का क्षितिज पिछले वर्ष से किस प्रकार भिन्न रहा?

तरूण- क्षितिज-2011 पिछले वर्ष से थोड़ा अलग था। इसमें कई सारे नये इवेंट जैसे आर्किनोवा और टेराड्रिफ्टर शामिल किये गये थे। यूरेका को IEEE से मान्यता मिली। आईआईटी खड़गपुर द्वारा विकसित की गई तकनीक की प्रदर्शनी केजीपी इनोवेशन के नाम से लगायी गयी थी ताकि लोगों को यहाँ विकसित होने वाली तकनीक के बारे में पता चले।

आवाज़- आने वाले जिमखाना चुनाव में जनरल सेक्रेटरी टेक्नोलॉजी के पद के लिये खड़े होने वाले उम्मीदवारों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

तरूण- नए प्रतिनिधि टेक्नोलॉजी जनरल चैपियनशिप में नये इवेंट शामिल कर सकते हैं। प्रॉब्लम स्टेटमेंट को औद्योगिक दृष्टि से बनाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए और अपनी जिम्मेदारी निष्ठा से निभायें।

अनमोल मनोहरः (G. Sec. Technology)

आवाज़- आपने टेक्नोलॉजी जेनरल चैपियनशिप इवेंट्स में इंडस्ट्री की भागीदारी लाने का प्रस्ताव रखा था? इस क्षेत्र में क्या कार्य हुआ?

अनमोल- टेक जीसी के एड डिज़ाइन में प्रॉब्लम स्टेटमेंट तथा जज कोलकाता की रेडिएन्ट एजेन्सी से आयी थी। मैथ्स ओलम्पियाड में ISI कोलकाता से प्रोफेसर आये थे। ओपन हार्डवेयर के लिये वेंचर कैपिटल से प्रयास चल रहा है तथा ओपन सॉफ्ट और केस स्टडी के लिये भी बात चल रही है और शेष इवेंट मार्च में होने वाले हैं। टेक्नोलॉजी जेनरल चैपियनशिप की वेबसाइट भी लॉंच हुई है।

आवाज़- आपने अपने प्रस्ताव में कहा था कि क्षितिज में विदेशी प्रतिभागियों के लिए एक रीइम्बर्समेंन्ट स्कीम होगी जिसमें छात्रों को यात्रा का किराया लौटा दिया जायेगा। इस बार क्षितिज में क्या ऐसी कोई स्कीम थी?

अनमोल- नहीं इस बार यह योजना लागू नहीं हो पायी। इस क्षेत्र में काम अभी रूका हुआ है। सुरक्षा एवं विभिन्न कारणों से उच्च पदाधिकारियों से अनुमति नहीं मिल पायी है।

Kamal Sports

Deals in all type of sports goods and fitness equipment

16-A, Gole Bazar, Kharagpur

Contact:- 9933521191

राघव बशंभू (G. Sec. Social and Cultural)

आवाज़ ः आपने अपने प्रस्ताव में विशेषज्ञ निर्णय हेतु NGOs से निर्णायक गण बुलाने की बात की थी। ऐसा अभी तक किन किन प्रतियोगिताओं में प्रयोग किया गया है ?

राघव ः Tiljala SHED नामक NGO के विशेषज्ञों की टीम ने OPEN IIT तथा INTER HALL Dramatics का आकलन किया तथा सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। SOS Children village, CINI India, C.R.Y. Greenpeace आदि NGOs से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। जिसके अनुसार ये संस्थान सामाजिक मुद्दों पर प्रकाश डालने के लिए आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में विजेता टीम को अपनी पेशकश प्रस्तुत करने का अवसर देंगे।

आवाज़ ः छात्रों द्वारा दिए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन को दूरदर्शन समेत विभिन्न टी वी चैनलों पर प्रसारित करने की बात की गई थी इसमें बात कहाँ तक आगे बढ़ पाई ?

राघव ः इंटर हॉल ड्रामा, कोरियो आदि की रिकार्डिंग के लिए CET तथा अन्य रिकॉर्डिंग संस्थाओं से मेरी बात हुई थी हालाँकि बाद में उन्होंने इन्कार कर दिया। इसलिए विभिन्न हॉल से ये वीडियो एकत्रित करके प्रसंस्कृत वीडियो प्रसार भारती समेत कई टी वी चैनलों को भेज दिया जाएगा। जिसके प्रसारण हेतु एक विशेष कार्यक्रम बनाने की बात हुई है। इस विषय में दूरदर्शन, ज्ञान दर्शन तथा ETV बांग्ला से स्वीकृति मिल चुकी है।

आवाज़ ः स्प्रिंग फेस्ट की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए SF Merchandise शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया था। इस बारे में थोड़ा प्रकाश डालें।

राघव ः स्प्रिंग फेस्ट की प्रसिद्धि बढ़ाने के लिए हमनें कई योजनाएँ बनाई थीं। इस क्षेत्र में कार्य भी किया गया था। किन्तु तत्पश्चात मनोरंजन को वरीयता दी गई। प्रचार में पैसे खर्च करने के बजाय इंडियन ओशियन जैसे बैण्ड बुलाकर स्प्रिंग फेस्ट को यादगार बनाने का निर्णय लिया गया।

हिमांशु सिंघल (G. Sec. Social and Cultural)

आवाज़- सांस्कृतिक कार्यक्रमों (नाट्य कला, संगीत व चित्रकला) को EAA में शामिल करने और इसमें प्रशिक्षण के लिए बाहरी संस्थानों से प्रशिक्षकों को बुलाने के आपके प्रस्ताव पर क्या प्रगति हुई?

हिमांशु- इस विषय में प्रो. एस.के.सोम व मनीष भट्टाचार्य से बात करके संभावित प्रशिक्षकों की सूची दी जा चुकी है। यह मामला विचाराधीन है। अंतिम निश्चय संस्थान प्रशासन का होगा।

आवाज़- सोशल व कल्चरल GC की प्रतियोगिताओं में बाहरी संस्थानों से जज व मान्यता प्राप्त करना भी आपका प्रस्ताव था।

हिमांशु- ओपन आईआईटी में कोलकाता से ही जज आए थे किंतु इंटर हॉल प्रतियोगिताओं में अधिकतर हॉलों की माँग पर यहीं के जजों को प्राथमिकता दी गयी। किंतु अंग्रेज़ी, हिन्दी व बंगाली नाट्य में मिलने वाले प्रमाण पत्र कोलकाता की संस्थान 'तरंग' की मान्यता प्राप्त होंगे।

आवाज़- क्या आप स्प्रिंगफेस्ट में NGOs के योगदान पर प्रकाश डाल सकते हैं?

हिमांशु- स्प्रिंगफेस्ट 2011 में रक्तदान शिविर व यूथ मैराथन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अभिषेक राज (G. Sec. Sports and Games)

आवाज़- पिछले वर्ष अपने चुनाव के दौरान इन्होंने कुल दो प्रस्ताव रखे थे। पहला स्केटिंग क्लब की संस्थापना और इसके आधार पर स्केटिंग रिंक का निर्माण और दूसरा पूर्णतया खेलों के लिये समर्पित एक अर्द्धवार्षिक खेल पुस्तिका का। जब उनसे इन कार्यों की प्रगति पर प्रश्न के लिए सम्पर्क किया गया तो उन्होंने किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इस संदर्भ में क्या प्रगति हुई इस बात का निर्णय हम अपने पाठकों पर छोड़ते हैं।

TEDx IITKGP : विचारों को पंख देने की अनोखी कोशिश

6 फरवरी को टेक्नोलॉजी ट्रान्सफर ग्रुप ने कैम्पस में पहली बार TEDxIITKGP का आयोजन कराया। TED एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है जिसके द्वारा टेक्नोलॉजी एन्टरटेन्मेन्ट एवं डिज़ाइन के क्षेत्र की मशहूर हस्तियाँ अपने अभिनव विचारों के माध्यम से लोगों को प्रेरित करते हैं।

TTG द्वारा आयोजित इस TEDx का थीम था 'IGNITE CHANGE'। इस कार्यक्रम की सबसे अनोखी बात ये थी कि वक्ताओं को सिर्फ 18 मिनट दिये गये थे अपनी बात को श्रोताओं तक पहुचाने के लिए। TEDxIITKGP में तकनीक से लेकर मनोरंजन तक सामाजिक से लेकर उद्यमी तक विभिन्न पृष्ठभूमि वाले 8 वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था।

TTG ने अपना परिचय देते हुए सर्वप्रथम नारायणन कृष्णन को अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया। अंतरराष्टीय स्तर पर मान्यता प्राप्त इस CNN हीरो ने श्रोताओं को अपने जीवन के बारे में बताकर भावुक कर दिया। पंचसितारा होटॅल के इस शेफ ने अपनी नौकरी ठुकराकर मदुरई शहर के 425 मानसिक रूप से विकलांग लोगों को दिन में तीन बार खाना प्रदान करना ही अपना कर्तव्य माना। तत्पश्चात् अपनी लेखन का लोहा मनवा चुके 'द ग्रेट बोंग' नाम से लोकप्रिय अर्नब रे ने श्रोताओं को अपने भाषण से मंत्रमुग्ध कर दिया और जनता की सर्वाधिक तालियाँ बटोरी। बचपन से लेकर युकवस्था तक का पूरा लेखा जोखा इन्होंने एक अजब संक्षिप्त और मज़ाकिया ढ़ंग से पेश किया। अरूणाभ कुमार ने IIT KGP से इंजिनीयरिंग करने के उपरांत भी फिल्म निर्माण में अपनी रूचि को बढ़ावा दिया और उसी को अपने व्यवसाय के रूप में भी अपनाया। इन्होंने 'Power of choices' और अपनी 'Have, can and want theory' को लोगों के सामने प्रस्तुत किया। TEDX के पहले चरण का समापन MIT इनोवेटर एवं धर्मा इन्नोवेशन के CEO ,कांति विस्टाकुला के स्वप्नामकता इन्नोवेशन जैसे विषयों पर संक्षिप्त एवं सारगमित व्याख्यान के साथ हुआ। इन्होंने प्रकृति के विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से लोगों को अपनी सोच को एक दायरे में सीमित ना करने की सलाह दी।

दूसरे चरण में तकनीकी रूप से दक्ष दो हस्तियों डॉ.पी.आनन्दन (डायरेक्टर माइक्रोसॉफ्ट रीसर्च इंडिया) एवं श्रीनिवास मोहन से श्रोताओं का साक्षात्कार हुआ। जहाँ एक ने digital narratives के माध्यम से स्टोरी टेलिंग को नया मुकाम देने की कोशिशों से लोगों को अवगत कराया वहीं दूसरे ने 'रोबोट' फिल्म के विज़ुअल इफ़ेक्ट के नमूने दिखाकर जनता को हतप्रभ कर दिये।

टेक्नालॉजी ट्रांस्फर ग्रूप ने स्टूडेंट्स में रिसर्च के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से TEDx में विद्यार्थियों को भी वक्ता बनने का मौका दिया। इस सराहनीय कदम के तहत बायोटेक्नोलॉजी विभाग के युवा इन्वेंटर मनोज मंडेलिया को TEDx speaker बनने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का समापन टाटा जागृति यात्रा के संस्थापक स्वप्निल कांत दिक्षित एवं आशुतोष कुमार के झकझोर कर रख देने वाले बातें बेहद ही संवेदनशील भाषण के साथ हुआ। इन्होंने यात्रा के उद्देश्यों का वर्णन करते हुए KGP के स्टुडेन्ट्स से आग्रह किया की दुनिया की सबसे विकसित मस्तिष्क को जनता की उत्थान के बारे में सोचना चाहिए।

`TEDxIITKGP के सफल आयोजन के बाद हम उम्मीद करते हैं कि TTG टीम इसे हर साल आयोजित करेगी। और जो लोग इस कार्यक्रम का हिस्सा होने से चूक गए उनके लिए अच्छी खबर ये है कि वक्ताओं के विडियो youtube पर उपलब्ध हैं।

Technology कार्टून कोना

कॉफी खड़े खड़े

Enjoy the specific taste of Indian, South Indian, Chinese, Tandoor dishes at the food café

Break n' Bite
a food elen

For door step delivery:-
Call 9932486646

Tejvinder Singh Dhami (Rinku)
At – Hotel Park Arcade
Near – IIT Kharagpur

एशिया का पहला शेल गैस कुण्ड दुर्गापुर में पाया गया

ओ. एन. जी. सी. के वैज्ञानिकों द्वारा शेल गैस का एक असीम भण्डार, 1250-1300 वर्ग क्षेत्र में फैला हुआ, दुर्गापुर की बाह्य सीमाओं में स्थित 'सरपी' नामक स्थान में पाया गया है। यह गैस पर्यावरण अनुकूल है तथा वहन करने योग्य भी है। इस गैस को भविष्य में ऊर्जा उत्पादन का मुख्य साधन माना जा रहा है। यह एशिया का पहला शेल गैस रिज़र्व है, जिसके कारण यह मुख्य आकर्षण का केन्द्र बन गया है। आशा की जा रही है की यह भारत को ऊर्जा संबंधित समस्याओं से निजात दिलाएगा। यह प्रयोगिक कार्य सितम्बर 2010 से चल रहा था तथा 24 जनवरी को इसने सफलता प्राप्त की।

SPATS तथा आई. आई. टी. खड़गपुर प्रस्तुत कर रहे हैं 'नेशनल स्टूडेन्ट स्पेस सिम्पोज़ीअम'

रॉकेट बनाने का शौक रखने वालों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। इस सिम्पोज़िअम में 'वॉटर रॉकेटरी' नामक प्रतियोगिता हो रही है। माना जा रहा है भारत में पहली बार इस तरह का कोई कार्यक्रम हो रहा है। इस कार्यक्रम की जागरूकता के लिए कुछ वर्कशॉप भी होने वाली है। यह इवेन्ट 'इसरो' द्वारा प्रमाणित है तथा ईनामी राशी 40000 तक है। इस इवेन्ट में भाग लेने के लिए कोई योग्यता मानदंड नहीं है।

आई. आई. टी. रूड़की के दलित छात्र ने जातीय टिप्पणी के कारण आत्महत्या की

आई. आई. टी. रूड़की के बी.टेक तृतीय वर्षीय छात्र ने अपने ही हॉस्टेल के पाँचवी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। उसके परिजनों के अनुसार उसकी मृत्यु का कारण सीनियर्स द्वारा की गई जातीय टिप्पणियाँ हैं जिसकी वजह से वह काफी हताश था। उसके चाचा ने इस संदर्भ में एक बार पहले भी आई. आई. टी. के प्रशासन से शिकायत की थी परंतु छात्रों के विरूद्ध कोई भी कदम नहीं उठाए गए थे।

अगले 40 सालों में पानी की लागत दुगुनी

वर्ल्ड बैंक की गणना के अनुसार अगर इसी तरह पानी की बर्बादी चलती रही तो 2020 तक पानी की मांग को पूरा करना असंभव हो जाएगा। इस भविष्यवाणी ने कुछ आई. आई. टी. छात्रों का ध्यान आकर्षित किया तथा उन्होंने इस समस्या का समाधान सुझाया है। इस समाधान का नाम 'लोकस' (लोकलाइज़्ड ऑपरेशन ऑफ बायोसेल्ज़ यूज़ींग सीवेज़) जो की माईक्रोफ्यूल सेल्ज़ पर आधारित है। इस तकनीक की मदद से हम सीवर के पानी को तथा कागज एवं चीनी उद्योग से आने वाले गन्दे पानी को दोबारा इस्तेमाल योग्य बना सकते हैं।

आई. आई. टी. खड़गपुर के प्राध्यापकों पर 30-50 प्रतिशत के ज्यादा मूल्य पर लैपटॉप खरीदने का दबाव

आई. आई. टी. खड़गपुर के प्रबंधकों ने प्राध्यापकों को सीधे बाज़ार से लैपटॉप खरीदने से साफ इनकार कर दिया है जबकि प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले लैपटॉप का मूल्य कहीं अधिक है। लैपटॉप जिसका असल मूल्य 79,000 है, प्रशासन के द्वारा वह 1,07,120 पर उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे प्राध्यापकों को कुल 1.5 करोड़ का घाटा होगा। इस विषय पर प्राध्यापकों के निवेदन को भी अनदेखा किया जा रहा है।

GDS: Genesis de Strategie

हाल ही में हुए इंटरनेशनल बिजनेस मास्टर्स प्रतियोगिता में Genesis De Strategie के 3 सदस्य शैलेश गुप्ता चंदन नागोजी व सुदीप्तो पानीग्रही फाईनलिस्ट बने। सितंबर 2010 में शुरू हुई यह सोसाइटी consulting, banking, business strategy व game theory के विषयों में खडगपुर में लागों की रूचि बढाना चाहती है। इसके लिए वे हर महीने की शुरूआत में एक वर्कशॉप का आयोजन करते हैं। अब तक ऐसे वर्कशॉप नवंबर और फरवरी में किए जा चुके हैं।

केंद्र का आई.आई.टी. खड़गपुर को 200 करोड़ का तोहफा

2011 के केंद्रीय बजट में आई.आई.टी. खड़गपुर को ₹ 200 करोड़ आवंटित किए गए हैं। इस पर खुशी व्यक्त करते हुए आई.आई.टी. खड़गपुर के उप कुलपति प्रो. ए.के. मजुमदार ने कहा कि यद्यपि उन्हे रू 500 करोड़ की उम्मीद थी किंतु फिर भी वे इस बजट से पूर्णतया संतुष्ट है। गौरतलब है कि इस वर्ष आई.आई.टी. खड़गपुर अपनी डायमण्ड जुबिली मना रहा है अतः यह राशि डायमण्ड जुबिली के अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों तथा आई.आई.टी. परिसर के कई बुनियादी बदलावों एवं पुरानी इमारतों की मरम्मत में इस्तेमाल की जाएगी। इसके अलावा इसका उपयोग नए शैक्षणिक क्षेत्र जैसे नैनो विज्ञान, जीवन विज्ञान, मेडिकल टेक्नोलोजी केंद्र तथा पर्यावरण अभियांत्रिकी केंद्र विकसित करने में किया जाएगा।

GOYAL INFOTECH
Cell No. 9932481451, 9333359460
PROVIDING EFFICIENT SALES, SERVICE SINCE 11 YEARS IN KHARAGPUR.
PURI GATE, IIT MAIN ROAD, KGP.
NO.1 IN LAPTOP REPAIRING With All Spares.
PRINTOUT BEST QUALITY BLACK & WHITE @ RS. 2 PER PAGE (ABOVE 5 PAGE), COLOUR @ RS. 5 PER PAGE.
PASSPORT PHOTO BEST QUALITY 8 COPIES @ Rs. 25. AIR TICKET & TRAIN TICKET BOOKING.
EXTERNAL HARD DISK SEAGATE, WESTERN DIGITAL, ETC. AT LOWEST PRICE WITH BEST AFTER SALES SERVICE.
You Can Enquire and Compare The Price & We Will Be The Most Economical With Best Service.
Also Enquire About Extension Warranty On All Brands Of Laptops. Best Offers & Gifts.

COMPUTER SALE & SERVICE POINT
NEWLY OPENED NEAR BIMALA SWEETS, TECH MARKET. Mob: 9126129880
PRINTOUT BEST QUALITY BLACK & WHITE @ RS. 2 PER PAGE (ABOVE 5 PAGE), COLOUR @ RS. 5 PER PAGE. INKJET & BLACK & WHITE & COLOUR LASER.
INSTANT PASSPORT PHOTO BEST QUALITY 8 COPIES @ Rs. 25.
NOW LAPTOP & DESKTOP REPAIRING IN THE CAMPUS.
EXTERNAL HARD DISK SEAGATE, WESTERN DIGITAL, ETC. AT LOWEST PRICE.